15.01 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) INSTALLATION OF STATUES OF MAHATMA GANDHI AND SARDAR BHAGAT SINGH

श्री मनोराम बागड़ी (हिसार) : इंडिया गेट से जार्ज पांच के बुत को हमने हटाया था और हमारी मांग थी कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की मूर्ति स्थापित की जाए। तीन बार कमेटी नियुक्त हुई और उन्होंने फैसला किया कि राष्ट्रपिता जी की मूर्ति वहां लगाई जाए। परन्तु व्यर्थ देरी की जा रही है। इंडिया गेट पर राष्ट्रपिता की मूर्ति वहां लगाई जाए, ताकि वहां से विदेशी व भारतीयों को प्रेरणा मिले। जिस तरह से हमने लार्ड इरविन की मूर्ति जो संसद् भवन के सामने थी का तोड़ा, क्योंकि इसी लार्ड के समय शहीदे-आजम भगत सिंह को फांसी दी गई थी। हमारी मांग है कि यहां शहादे-आजम भगत सिंह की मूर्ति लगाई जाए। मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि राष्ट्रपिता की मूर्ति लगाने में देरी और शहीदे-आजम की मूर्ति न लगाना राष्ट्रहित की बात नहीं है। मैं चाहूंगा कि तुरंत राष्ट्रपिता महात्मा गान्धी जी की मूर्ति इंडिया गेट पर और शहीदे-आजम भगत सिंह की मूर्ति जहां लार्ड इरविन का बुत था, स्थापित की जाए।

(ii) ALLEGED IRREGULARITIES IN THE DISTRIBUTION OF RELIEF ITEMS MEANT FOR ORISSA CYCLONE VICTIMS

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY (Calcutta South): Sir, the recent cyclone in Orissa hit hard the coastal areas of the State affecting people of 17 Sub-divisions in seven districts involving lakhs of people into sufferings, loss of property, human lives and thousands of cattle have perished.

15 03 hrs.

[SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI *in the chair*]

This situation calls for human sympathy and dedicated services but I regret to say that the relief measures taken by the authorities so far are inadequate. People in most of the worst-affected areas are yet to get relief. But whatever quantity of rice and atta is distributed to marooned and destitute people that also is reported to be sub-standard and hardly fit for human consumption. My leader Shri Samar Mukherjee and the Secretary of the Orissa State Committee of our Party had visited the place and described that a large section of the poor people who had lost their houses and everything were not getting proper relief. Therefore, I urge upon the Government for adequate quantity of rice and atta being sent immediately to the affected areas and see that the quality of relief rice is fit for human consumption and reaches the cyclone-affected sufferers.

Sir, you are from Orissa. This is the quality of rice....

MR. CHAIRMAN: No, no.

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY: This is the quality of rice. The whole House should see. (*Interruptions*). You are from Orissa.

MR. CHAIRMAN: Go to your seat please.

(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: It cannot be done like that. Mr. Bheekhabhai.

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY: This is the quality of rice. What is the reaction of the Government? The Minister is also here. Sir, this is the quality of rice they are supplying.

(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Now, Shri Beekhabhai.

(iii) INCREASING FOREST WEALTH WITH THE SLOGAN "BIRTHDAY TREE" SCHEME.

श्री भोखा भाई (बांसवाड़ा) : उपाध्यक्ष महोदय, प्राकृतिक संसाधनों की अतुल सम्पदा मानव के उपयोग के लिए बनी है। परन्तु इन संसाधनों का उपयोग इतना अविवेकी एवं अत्यधिक नहीं हो कि मानव एवं जीवन सम्पदा की आस्था ही खतरे में पड़ जाए। इस दृष्टि से वन सम्पदा का आज के युग में अत्यन्त महत्व है। परन्तु यह एक खेद का विषय है कि आज इस सम्पदा के बारे में हम इतने जागरूक नहीं हैं।

अभी हाल ही के वर्षों में जन-संख्या की शहरी बढ़ौत्तरी के कारण हमने बहुत सी जगहों पर अपनी इस वन सम्पदा को नष्ट किया है। यह विषय कितना हास्यास्पद हो गया है कि जहां एक ओर बढ़ते हुए प्रदूषण को रोकने की हमें सख्त आवश्यकता है वहां दूसरी ओर इस सम्पदा को नष्ट किया जाए। इस बारे में तुरन्त ही हमें एक राष्ट्रीय नीति बनानी होगी।

वैसे तो वनों के बहुत से लाभ कालान्तर से ही सर्वविदित हैं तथापि आज के प्रदूषणयुक्त वातावरण में इनका अधिक महत्व है। अगर हमें मानव या अन्य जीवों को इस धरती पर फलते फूलते देखना है तो हमें वनों का विकास एवं रखरखाव अवश्य ही करना होगा।

अभी हाल में इन बातों को ध्यान में रखते हुए विश्व के कई देशों में अधिवेशन आदि हुए हैं। केन्या की राजधानी नेरोबी में 20 मई, से 2 जून तक संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यू० एन० आई० पी०) का वार्षिक अधिवेशन हुआ और उस में वन सम्पदा की निरंतर वृद्धि में जोर दिया गया। इस विशेष अधिवेशन के साथ ही आरंभ हुई एक अनोखी परियोजना जिस का नाम है "हर बच्चे के लिए एक-एक पेड़"। नए वृक्ष रोपने एवं पालन पोषण के काम में लोगों को निजी दिलचस्पी और निष्ठा पैदा करने का यह एक सुन्दर उपाय है। इसके लिए अभिभावकों को प्रेरित किया जाएगा कि बच्चे के जन्म दिन के साथ-साथ एक वृक्ष रोपा जाय और फिर उसको पाला जाय। इस तरह से ये "जन्म दिन "वृक्ष" योजना फलीभूत होगी।

मेरा विचार है कि भारत में भी हमें ऐसे ही इस योजना को क्रियान्वित करना चाहिए। इस बारे में एक योजनाबद्ध तरीके से कार्य वांछनीय है। पोस्टर आदि का इंतजाम किया जाना चाहिए और लोगों को जंगलात के बारे में अधिकतम जानकारी देनी चाहिए।

अतः मेरा भारत सरकार से अनुरोध है कि वह इस ओर तुरन्त ध्यान देवे।

(iv) ALLEGED CLOSURE OF LARGE NUMBER OF DYESTUFF UNITS IN WESTERN MAHARASHTRA AND AHMEDABAD

SHRIMATI SANYOGITA RANE (Panaji): Under Rule 377, I am making the following statement:

It is a matter of grave concern that about 300 dyestuff units have closed down in Western Maharashtra and Ahmedabad due to